नया साल मुबारक

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755 - 255 0976 0755 - 267 1017
ई-मेलःsrote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com
www.eklavya.in

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
जनवरी 2010
वर्ष-3 अंक-12 (पूर्णांक 252)

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान
अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

वार्षिक चंदा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए
चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

मकड़ियों का गोंद घाव सिलने के काम आएगा		2
कोई निहारिका हमसे टकरा रही है		2
पक्षियों की चुंबकीय दृष्टि		3
दर्द देर तक क्यों बना रहता है?		4
चींटियों की कतार या अनुशासित फौज?	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	5
भारत में क्षरित युरेनियम का प्रवेश संभव है	भारत डोगरा	7
मिट्टी की नमी का पता लगाएगा नया उपग्रह		8
पैसा दो, तेल कुएं नहीं खोदेंगे		8
दलबदलू प्रवृत्ति का विकास तेज़ी से होता है		9
खा-खाकर मोटे नहीं होते स्पॉन्ज		10
बचपन का तनाव बाद में नज़र आता है		10
सस्ती दवाइयां उपलब्ध करवाने की एक पहल	एस. श्रीनिवासन	12
व्यक्तिगत पहचान - अंगूठे से नहीं, आंख से	डॉ. बाल फोंडके	16
लोकप्रिय विज्ञान साहित्य के दीप स्तम्भः गुणाकर मुले	चक्रेश जैन	19
वृक्षारोपण पानी की उपलब्धता कम कर सकता है		20
भूख से लड़ाई में असफल भारत	डॉ. राम प्रताप गुप्ता	21
जयपुर हादसे से बचा जा सकता था	भारत डोगरा	23
वैज्ञानिकों की खोज में	डॉ. एल.के. तिवारी	25
कटे होंठ और तालू - उपचार आसान है	डॉ. प्रदीप नणंतकर	28
नई प्रजाति बनते देर नहीं लगती		30
क्या हीमोग्लोबिन का विकल्प संभव है?	नरेन्द्र देवांगन	31
बर्फ के होटल में निवास का रोमांच	बिमल श्रीवास्तव	35

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।